विद्युत परिपथ और सेल 16

4 सितंबर सन् 1882 की बात है। अमरीका के न्यूयॉर्क शहर के पर्लस्ट्रीट मोहल्ले में सुबह से ही गहमा–गहमी और उत्सुकता का माहौल बना हुआ था। इस मोहल्ले में प्रख्यात आविष्कारक थॉमस एडीसन अपने सहयोगियों के साथ पिछले कई महीनों से नामुमकिन से दिखने वाले अपने एक वायदे को पूरा करने में जुटे हुए थे, और आज निर्धारित समय पर उन्हें अपना चमत्कार कर दिखाना था।

शाम होते–होते सभी का कौतुहल अपनी चरम सीमा पर था। तय समय पर उत्सुक लोगों की भीड़ के सामने थॉमस एडीसन ने एक स्विच दबाया और तुरंत ही मोहल्ले के 9000 घरों में करीब 14000 बिजली के बल्ब रोशनी से जगमगा उठे। एडीसन अपना वायदा पूरा करने में सफल हुए। बिजलीघर से पहली बार बिजली एक आम सुविधा की तरह लोगों के घर में पहुंची। मानव जगत में एक नए युग की शुरुआत हुई। धीरे–धीरे अन्य देशों में भी बिजली का घरेलू उपयोग होने लगा और आज घरों में बिजली का होना एक आम बात हो गई है।